नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ओम सर्किट : प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं का द्वार

मध्य प्रदेश सरकार की ओम सर्किट योजना न सिर्फ़ एक पर्यटन परियोजना है, बल्कि यह राज्य की धार्मिक विरासत, सांस्कृतिक गहराई और क्षेत्रीय विकास को एक साथ जोड़ने वाली परिकल्पना है. उज्जैन के महाकालेश्वर और खंडवा के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को इंदौर के माध्यम से जोड़कर यह सर्किट देश के उन करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए एक संगठित, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने का वादा करता है, जो इन स्थलों की पवित्रता से जुड़े हैं.

इंदौर, जो पहले ही मध्य भारत का प्रमुख औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र है, इस सर्किट का प्रवेश द्वार बन रहा है. इंदौर-खंडवा मार्ग पर मोरटक्का में बन रहा नया पुल सड़क यात्रा को न केवल कम समय का बनाएगा, बल्कि वह सुरक्षा और निर्बाध आवाजाही की गारंटी भी बनेगा. सरकार की मंशा स्पष्ट है कि इस सर्किट को रेल, सड़क और हवाई तीनों माध्यमों से मजबूत किया जाए. यह कदम आने वाले वर्षों में राज्य को पैन-इंडिया धार्मिक टूरिज्म मैप पर प्रमुख स्थान दिला सकता है. पर्यटकों के लिए सिर्फ़ मंदिरों तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है. आज के दौर में अनुभवपरक पर्यटन का चलन बढ़ रहा है. इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्चुअल रियलिटी आधारित टूर, टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर, कैफेटेरिया, और स्वच्छ व स्वागतशील टॉयलेट्स की व्यवस्था की योजना बनाई है. इससे यात्रा अनुभव डिजिटल रूप से भी सशक्त होगा और देशी-विदेशी दोनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा.

ओंकारेश्वर में जल पर्यटन, जिसमें मिनी क्रूज, पैरासेलिंग और बोटिंग जैसी गतिविधियां शामिल होंगी, युवाओं और परिवारों के लिए अलग अनुभव पेश करेंगी. यह पहल मध्य प्रदेश को सिर्फ़ धार्मिक ही नहीं, साहसिक पर्यटन के नक्शे पर भी लाएगी.

मध्य प्रदेश सरकार की होमस्टे योजना इस सर्किट की एक ऐसी धुरी है, जिससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार की नई लहर उठ सकती है. जब कोई पर्यटक किसी गांव में ठहरता है, वहां का खाना खाता है, हस्तशिल्प खरीदता है और लोककला का अनुभव करता है — तब पर्यटन एक उद्योग से ज़्यादा, एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान बन जाता है. खासकर नर्मदा किनारे बसे जनजातीय गांवों में यह योजना सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन ला सकती है. यह योजना अगर सही तरीके से लागू होती है, तो यह सिर्फ़ तीर्थाटन नहीं, ग्रामीण पुनरुत्थान की कहानी बन सकती है.

उज्जैन, इंदौर और ओंकारेश्वर के अलावा मध्य प्रदेश में अनेक ऐसे स्थल हैं जो आज भी पर्यटन विभाग की प्राथमिक सूची से बाहर हैं. भीमबेटका की गुफाएं, पचमढ़ी का प्राकृतिक वैभव, नरसिंहगढ़ की झीलें, बुरहानपुर का मुग़ल इतिहास, अमरकंटक का आध्यात्मिक-प्राकृतिक संगम, चंद्रकांता का आदिवासी सौंदर्य — ऐसे अनेक स्थल हैं जिन्हें यदि ठीक ढंग से जोड़ा जाए, तो पर्यटन एक वर्ग विशेष नहीं, हर आयु और रुचि के लोगों के लिए खुल सकता है.

इन्हें जोड़ने के लिए 'डिस्कवरी टूरिज्म', सर्किट प्लानिंग, और स्थानीय सहयोग से विकास का रास्ता अपनाना होगा. मध्य प्रदेश में पहले से ही टाइगर रिजर्व, झीलें, लोककला, धार्मिक स्थल, और आदिवासी संस्कृति का अद्भुत समन्वय है. आवश्यकता इस बात की है कि सरकार पर्यटन को सिर्फ़ दिखावे की नीति न बनाकर, जमीनी क्रियान्वयन की ठोस योजना में बदले. इसके लिए स्थानीय प्रशासन, पर्यटन व्यवसायी, ग्रामीण समुदाय और डिजिटल प्लेटफॉर्मों को साथ लेकर चलना ज़रूरी होगा. कुल मिलाकर ओम सर्किट एक अद्भुत शुरुआत है. यदि इसके साथ होमस्टे, इको-टूरिज्म, और गांव-शहर के बीच पर्यटन-संवाद को जोड़ा जाए, तो मध्य प्रदेश भारत का सर्वश्रेष्ठ बहु-आयामी पर्यटन राज्य बन सकता है.

यह समय है जब हम श्रद्धा, संस्कृति और समृद्धि - इन तीनों को एक सूत्र में बांधकर पर्यटन को आर्थिक और रोजगार समृद्धि का अवसर बनाएं.

विंध्य की डायरी

वर्तमान-पूर्व विधायक के साथ बंद कमरे में डिप्टी सीएम की बैठक

डॉ. रवि तिवारी

सिरमौर जनपद पंचायत में अध्यक्ष को लेकर भाजपा समर्थित सदस्य बगावत में है. कई दिनो से सियासी विवाद अब अविश्वास प्रस्ताव तक पहुंच गया है. अध्यक्ष रवीना साकेत के खिलाफ 19 सदस्यो ने कलेक्टर के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव पेश किया. जिससे तख्ता पलट की स्थित बन गई है. अब सवाल यह उठता है कि विपक्ष में बैठी कांग्रेस क्या इतनी ताकत वर हो गई कि सत्ता पक्ष का तख्ता पलट कर दे. सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने अध्यक्ष बनाने में अहम भूमिका निभाई थी और अब सवाल उठता है कि अध्यक्ष को बचाने में क्या विधायक सफल रहेंगे ? आखिर यह बगावत सदस्यो ने किसके इशारे पर की है. पर्दे के पीछे खेल कौन कर रहा है. पूर्व और वर्तमान विधायक की खेमेबाजी के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है. मामला संगठन तक पहुंचा और पार्टी डैमेज कंट्रोल में जुट गई है. रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष बीरेन्द्र गुप्ता ने दोनो पक्षों की बैठक ली और समझाइश दी उसके बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने पार्टी कार्यालय में सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह एवं सेमरिया से पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के साथ सभी जनपद सदस्यो की बंद कमरे में बैठक ली. माना जा रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव को रोकने के लिये यह अहम बैठक हुई है. सदस्यो ने बैठक में अपना पक्ष खुलकर रखा है. बैठक के बाद विवाद का पटाक्षेप हो गया है उधर कांग्रेस ने चुटकी लेते हुए कहा कि विधायक दिव्यराज सिंह और पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के बीच यह आंतरिक द्वंद्व है. जिसका परिणाम अविश्वास प्रस्ताव है.

महिला की मौत पर राज्यमंत्री पर उठे सवाल- स्वतंत्र भारत के 78 साल बीत चुके है पर आज भी गांवो का भारत मूलभूत सुविधाओ से वंचित है. इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है जब सडक् के अभाव में एक महिला अस्पताल पहुंचने के पहले ही जिंदगी की लड़ाई हार जाय. आजादी का अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा के साथ मनाया जा रहा है. नारी सशक्तिकरण की दुहाई दी जा रही है पर वही नारी सिस्टम का शिकार हो रही है. बीमार महिला को चारपाई में लिटा कर कच्चे रास्ते से अस्पताल लेकर जाने का प्रयास किया गया पर महिला ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. समूचे सिस्टम को कटघरे में खड़ा करने वाली यह घटना सतना नागौद तहसील के द्वारी खुर्द की है. जहां एक महिला मरीज खाट में दम तोड़ देती है. अगर रोड होती तो शायद जिंदगी अस्पताल पहुंचने पर बच जाती. अब सवाल यह उठता है कि इस मौत के लिये जिम्मेदार कौन है प्रशासन तंत्र या जनप्रतिनिधि? सबसे शर्मनाक पहलु तो यह है कि यह घटना जिस क्षेत्र में हुई है वह क्षेत्र राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के विधानसभा क्षेत्र में आता है. ऐसे में सवाल राज्य मंत्री से है, क्या इस मौत की कीमत पर गांव वालो को सड़क आप दिलवा पाएगी?

घर में घुसा पानी तो छलका विधायक का दर्द

बारिश से चारो तरफ हाहाकार मचा हुआ है, फिर चाहे अमीर हो या गरीब जनता हो या जनप्रतिनिधि हर कोई प्रभावित है. बीहर नदी के किनारे बने गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह के घर के अंदर पानी घुस गया. फिर क्या था विधायक जी ने नाराजगी जाहिर करते हुए अपनी ही सरकार के कामकाज को कटघरे में खड़ा कर दिया. सवाल उठाते हुए उन्होने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि हूं और खुद एक बाढ़ पीड़ित हूं. मेरे घर में पानी भरा हुआ है, कोई देखने तक नही आया. बाढ़ के पीछे कई कारण का उल्लेख करते हुए उन्होने आरोप लगाया कि शहर के चारो तरफ बाईपास बनाकर रीवा को तालाब बना दिया है. कई वर्षो से बाढ़ को देख रहा हूं. बगैर नाम लिये उन्होने नेता और सरकार पर सवाल उठाते हुए कटाक्ष किया है. कही न कही कंक्रीट का जो विकास हो रहा है उसको लेकर खुले तौर पर तो नही बल्कि इशारो ही इशारो में विधायक जी ने बहुत कुछ कह दिया. समझने वाले बखूबी समझ गए है कि उनका इशारा प्रदेश के किस कद्दावर नेता की तरफ था.

महिला नेतृत्व में नंबर एक पर कृष्णा गौर

राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव की कैबिनेट में मंत्री के रूप में कई महिला नेता शामिल हैं पर जब इन महिला नेताओं के कार्यों का आकलन किया जाता है तो इस रैंकिंग में नंबर एक पर कृष्णा गौर आती हैं.लंबा राजनीतिक अनुभव, भोपाल की गोविंदपुरा सीट पर ऐतिहासिक वोटों से जीत एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि जिसमें मध्य प्रदेश के राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल गौर की छत्रछाया में कृष्णा गौर ने राजनीति का **क ख घ** सीखा और अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की. भारतीय राजनीति की शुरू की पाठशाला नगर निगम कहलाती है जहां एक सफल महापौर के रूप में पूरे देश में एक अलग पहचान कृष्णा गौर ने प्राप्त की.साथ ही महापौर के रूप में विकास की एक नई इबारत लिखी भोपाल शहर में.

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में मध्य प्रदेश को पर्यटन के नक्शे पर देश में अलग एक नई पहचान बनाने में अपना बड़ा योगदान दिया. मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री के रूप में लगातार अपने विभाग में नवाचार कर एक नई पहचान अपने मंत्रालय की कृष्णा गौर ने मध्य प्रदेश में बनाई . फेम इंडिया ने देश भर में एक बड़ा सर्वे किया था जिसमें सर्वोत्तम 50 विधायकों का चयन किया था, उस सर्वे में मध्य प्रदेश से कृष्णा गौर का नाम देशभर के प्रमुख 50 विधायकों में शामिल था. कार्यकर्ताओं के बीच कृष्णा भाभी और कृष्णा दीदी के रूप में लोकप्रिय महिला नेता के रूप में पूरे प्रदेश में जाने जानी वाली कृष्णा गौर से आप जब भी मिलेंगे या कोई भी कार्यकर्ता मिलता है वह सदैव मुस्कुराकर मुलाकात करती हैं और उनके बताए हुए कामों को गंभीरता से सुनकर प्राथमिकता से करती हैं. उनके क्षेत्र गोविन्दपुरा में आप जब भी जाएंगे वहां स्थानीय स्तर पर आप किसी भी व्यक्ति से बात करेंगे वह कृष्णा गौर की तारीफ करता हुआ मिलेगा. क्षेत्र में निरंतर दौरे करती हैं साथ ही कार्यकर्ताओं के घर में छोटे-छोटे से कार्यक्रमों में एक परिवार के सदस्य की तरह वह उपस्थिति रहती हैं. गोविंदपुरा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में भी वह पर्याप्त समय देती हैं. किसी तरह का विवाद आज तक कृष्णा गौर के साथ नहीं जुड़ा हुआ है.

एक बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े होने के बावजूद कृष्णा गौर एक सरल और सौम्य नेता है जो उनकी काबिलियत में चार चांद लगाता है. नई और युवा महिला नेताओं की वे आइकॉन है. जीनसे नई महिला नेता कार्यकर्ता प्रेरणा पाती है जिस तरह देश के प्रधानमंत्री हर स्थान पर महिलाओं को प्रमोट कर रहे हैं और महिलाओं के लिए 33ब आरक्षण लागू किया है उसमें महिलाओं के लिए कार्य करने के लिए कई स्थान उपलब्ध रहेंगे एक सशक्त नेता के रूप में कृष्णा गौर ने मध्य प्रदेश सहित देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है लगातार पार्टी नेतृत्व कृष्णा गौर को दायित्व देकर परखता रहता है जिसमें वह हमेशा खरा उतरती है.

महापौर ,अध्यक्ष या मंत्री के रूप में लंबे कार्यकाल में केंद्रीय नेता हो या मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता सभी कृष्ण गौर द्वारा किए गए कार्यों की तारीफ करते हैं. कम समय में राजनीतिक पटल पर कृष्णा गौर ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है. भारतीय जनता पार्टी के महिला नेतृत्व में उच्च स्थान पर कृष्णा गौर ने अपना स्थान बनाया है .पार्टी द्वारा जब-जब उन्हें जो-जो दायित्व दिया गया उसमें वह 100ब खरी उतरी हैं.चाहे भारतीय जनता पार्टी या महिला मोर्चा में जवाबदारी हो या पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक की जवाबदारी मिलने पर कृष्णा गौर ने अपनी काबिलियत का डंका चारों तरफ बजाया है.अपने व्यवहार एवं कार्य कुशलता से कृष्णा गौर ने मध्य प्रदेश की राजनीति में एक अलग पहचान और मुकाम हासिल किया है और पार्टी नेतृत्व सहित क्षेत्र और प्रदेश की जनता उनके सशक्त नेतृत्व की कायल है. आने वाले समय में महिला नेता के रूप में देश-प्रदेश में एक नया मुकाम कृष्णा गौर हासिल करेंगी ,ऐसा पॉलिटिकल पंडित कहते हैं.

थरूर की साफगोई से कांग्रेस परेशान

कांग्रेस अपने नेताओं को संभालने में विफल रही है जिसकी बड़ी वजह संवाद का अभाव है. सामूहिक नेतृत्व पर ध्यान दिया जाए और विभिन्न राज्यों में सक्रिय व प्रभाव रखनेवाले नेताओं से समय-समय पर मंत्रणा कर नीति निर्धारण किया जाए तो पार्टी में एकजुटता बनी रह सकती है. विगत वर्षों के दौरान कांग्रेस छोड़नेवालों में ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, हिमंत बिस्वा सरमा जैसे कितने ही नेता शामिल हैं. यदि यह आरोप लगाया जाए कि कांग्रेस में नेतृत्व पूरी तरह गांधी परिवार में केंद्रित है तो क्या बीजेपी में भी मोदी-शाह का दबदबा नहीं है? पिछले 11 वर्षों से केंद्र की सत्ता से बाहर रहने के बाद कांग्रेस किसी नेता को कुछ देने की स्थिति में नहीं है. ऐसे समय बीजेपी ने अपनी कूटनीति से कांग्रेस छोड़नेवाले नेताओं को पद और सम्मान देना शुरू किया. सिंधिया केंद्र में मंत्री बन गए तो हिमंत बिस्वा सरमा को असम का सीएम बनने का मौका मिला. महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम आदर्श घोटाले में गूंजा था. वह बीजेपी की शरण में चले गए और जांच एजेंसियों के ग्रहण से बचे. जहां तक शशि थरूर का मामला है, उनके अनुभव, ज्ञान और विद्वत्ता की कांग्रेस ने कद्र नहीं की. वह यूएन में अंडर सेक्रेटरी रह चुके हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर के बारे में विदेश में भारत का पक्ष मजबूती से रखने के लिए विपक्ष के नेताओं को अवसर दिया. यह नई बात नहीं है क्योंकि पीवी नरसिंहराव ने भी पीएम रहते हुए यूएन में भारत का पक्ष रखने के लिए तत्कालीन विपक्ष के नेता अटलबिहारी वाजपेयी को भेजा था. थरूर के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल ने अपनी गहरी छाप छोड़ी. इस दौरान उनकी बीजेपी से निकटता बढ़ना स्वाभाविक था. मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की वजह से कांग्रेस ने उन्हें पहले ही हाशिये पर डाल दिया था. अब शशि थरूर ने इमरजेंसी के अत्याचारों का मुद्दा उठाया है जिससे कांग्रेस का तिलमिलाना स्वाभाविक है. वामपंथी राज्य केरल में वह अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में लगे हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

बॉलर करता बैटर को लाचार गेंद के अलग-अलग प्रकार

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, खबर पढ़ने को मिलती है कि सत्तापक्ष ने बड़ी चतुराई से विपक्ष के पाले में गेंद डाल दी. किसी व्यक्ति का नाम गेंदलाल भी होता है. फुटबाल और हॉकी मैच में दोनों टीमों के 22 खिलाड़ी गेंद के पीछे पड़े रहते है. बच्चे रबर बॉल या टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलते हैं. पिंग पांग या टेबल टेनिस की गेंद छोटी होती है. गोल्फ और पोलो जैसे खेलों में अलग-अलग किस्म की गेंद इस्तेमाल की जाती है. बेसबॉल, बास्केटबॉल और वालीबॉल की गेंद भिन्न-भिन्न प्रकार की होती है. शॉट पुट या गोला फेंक में धातु की गेंद उपयोग में लाई जाती है. रग्बी जैसे खेल की गेंद गोल नहीं होती बल्कि ओवल या अंडाकार होती है. हमें बताइए कि गेंद का आविष्कार कहां हुआ? यह भारत में ईजाद हुई या विदेश में?

हमने कहा, भगवान कृष्ण यमुना तट पर अपने सखाओं के साथ गेंद खेला करते थे. उन्होंने तय कर लिया था कि कालिया नाग को यमुना से बाहर निकालना है, इसलिए यमुना में गिरी गेंद को बाहर निकालने के बहाने कृष्ण

जलधारा में कूद पड़े और अपने चरणों से प्रहार कर कालिया का कचूमर निकाल दिया. उसके फन पर नृत्य किया. उस नाग को अपने परिवार सहित वहां से अन्यत्र जाना पड़ा. इसी तरह रामायण में शेषावतार लक्ष्मणजी ने परशुराम से कहा था- कंदुक सम ब्रम्हांड उठाऊं अर्थात मैं गेंद के समान पृथ्वी को उठा सकता हूं!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज कर्नाटक में एक पहाड़ी पर गेंद के आकार की गोल चट्टान रखी है जो गिरती नहीं. लोग उसे आश्चर्य से देखते हैं. वह बटर बॉल ऑफ कृष्णा कहलाती है. फुटबाल में कुशल खिलाड़ी साइकिल किक मार लेते हैं. पैर के अलावा सिर से भी बॉल को मारा जाता है. केवल गोलकीपर हाथ से गेंद रोक सकता है.

हमने कहा, टेस्ट क्रिकेट में रेड बॉल इस्तेमाल की जाती है जबकि वनडे और टी-20 में व्हाइट बॉल चलता है. क्रिकेट में 3 प्रकार की गेंद प्रचलित है. इंग्लैंड में ड्यूक बाल से क्रिकेट खेली जाती है जिसे एक भारतीय दिलीप जगजोदिया मैन्यूफैक्चर करते हैं. आस्ट्रेलिया में काकाबुरा गेंद का इस्तेमाल होता है. इसके अलावा एसजी गेंद भारत में प्रचलित है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11961 -डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे
1. सांप या किसी कीड़े का रेंगना 2. रेत 3. निगलना, हड़पना 5. सोने का स्थान या गृह 6. लंबा का संक्षिप्त रूप जो यौगिक शब्दों के आगे लगाया जाता है जैसे-लमतडंग 8. नाटक लिखने वाला 11. ध्वजा आदि हवा में लहराना 16 लताओं से बना मंडत या घर 18. मुसलमानों के तीर्थ स्थान मक्का का पवित्र पानी 21. सूआ, शूकर (सं.) 22. एक प्रसिद्ध पौधा जिसकी पत्तियां लोग नशा करने के लिए पीस कर पीते हैं, विजया 25. पदार्थ का वह गुण जिसका ज्ञान केवल आंखों द्वारा ही होता है

बाएं से दाएं
1. धोखा देने के लिए दिलाई जाने वाली झूठी उम्मीदें (उर्दू) 4. प्रवीण 7. किसी को डरा, धमका या मार कर उसका धन ले लेना, ठगना 9. मृत्यु के देवता, कौआ 10. पंक्ति (उर्दू) 12. काट खाने वाला 13. मार्ग, रास्ता 14. नासिका 15. कपोल 17. रुष्ट, अप्रसन्न 19. भीरूपन 20. प्रसिद्ध (उर्दू) 23. किंचित, तनिक 24. घाव के ऊपर सूखी पपड़ी 26. सांप्रदायिकता के संदर्भ में बलराज साहनी द्वारा अभिनीत एक पुरस्कृत फिल्म 27. झूठी बात, झूठी खबर

Solution 11960

म	ध्या	व	धि	चु	ना	व	
धु	न		क्का		रा	ह	त
के		त	र	बू	ज		र
ह		मी	ना		गी	ति	क्का
	ष्या	ज		स		त	री
को	सा		ख	ल	ब	ली	
म		प	ट	क	ना		बं
ल	ट	का	ना		ना	खु	दा

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ के वाद विवाद से मन खिन्न रहेगा, भोग विलास में धन व्यय होगा, यात्रा में कष्ट होगा, स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा,वर्षके मध्य में विदेशी व्यापारियों के लिये समय लाभप्रद रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में मित्रों के सहयोग से योजनाओं का समाधान होगा, राजनैतिक रूपरेखा बनेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की मित्रों के सहयोग से नवीन योजनाओं की रूपरेखा बनेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों की यात्रा में कष्ट होगा, मकर और कुंभ राशिके व्यक्तियों को यश मिलेगा,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मेहनत अधिक करना होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम सेकाम लेना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को साहस पराक्रम बढ़ेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से अच्छा सुन्दर, हष्टपुष्ट तथा सुशील तथा मिलनसार होगा. मन भावुक तथा कोमल होगा. कम बोलेगा, तथा जोभी बात बोलेगा, वह बुद्धिमानी से परिपूर्ण होगी. पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

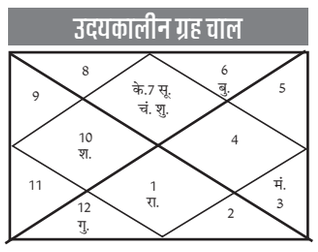

पंचांग

रा.मि. 23 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण चतुर्थी चन्द्रवासरे रात 11/35, धनिष्ठा नक्षत्रे दिन 7/26, आयुष्मान योगे शाम 5/28, वव करणे सू.उ. 5/16 सू.अ. 6/44, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, शु.रा. 11, 1, 2, 5, 6, 8 अ.रा. 12, 3, 4, 7, 9, 10 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण चतुर्थी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड़, रूई, शक्कर, कपास,जूट, पाट, बारदाना, सन, हैसियन, सोना, चांदी, के भाव में उठाल आयेगा. भाग्यांक 4110 है.

मेष- पारिवारिक आयोजन लाभकारी हो सकते है. आकस्मिक लाभ की सूचना मिलेगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफ्लता प्राप्त होगी.

वृषभ- अपने कार्य को वरीयता से निपटाने का प्रयास करें, अन्यथा परेशानियां सामने आयेंगी. वरिष्ठ लोगों के संपर्क से लाभ होगा. भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा.

मिथुन- वैभव के सामान पर बड़े खर्च की संभावना है. स्वजनों के सहयोग से आर्थिक कार्य पूर्ण होगा. मनोरंजन उत्साह बढ़ेगा. मेहनत अधिक करना पड़ेगी.

कर्क- नए कार्य की शुरूआत और कानूनी मामलों में सबकी सलाह से रावणे बढ़े, सफ्लता मिलेगी.आकस्मिक प्रवास हो सकता है.

सिंह- धार्मिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी. नये संपर्को का लाभ मिलेगा. महत्वपूर्ण कार्यो में सफ्लता मिलगी. श्रेष्ठजनों से कामकाज बनने का योग है.

कन्या- प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता के आसार हैं, विवादास्पद मामले सुलझ सकते हैं. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. कार्यो में आकस्मिक गति आयेगी. मन में प्रसन्नता रहेगी.

तुला- दूसरों के मामले में दखल से बचें. अटके कार्य पूराकरने में मित्रों का सहयोग मिलेगा. संतान आदि की चिन्ता दूर होगीं सुखदकार्यो में लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक- भाग्यवर्धक अवसर मिलेंगे. परिश्रम अधिक करना होगा. कुछ मानसिक चिन्ता रहेगी. आप जिन पर भरोसा है, वे आपका विरोध करेंगे.

धनु- खानपान रहन सहन में अनियमितता रहेगी. उदर विकार आदि से कष्ट होगा. समय के स्वरूप को देखकर कार्य करें. दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी.

मकर- आपके सरल स्वाभाव का लोग फायदा उठायेंगे. व्यापार व्यवसाय में सफ्लता मिलेगी. जीवनसाथी का सहयोग रहेगा. मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

कुम्भ- आपका कठोर व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है. नई योजना लाभकारी रहेगी. आकस्मिक अतिथि आगमन होगा. पार्टनरशिप में सतर्कता बांछनीय.

मीन- अधूरी योजना फिर से शुरू कर सकते हैं. बुजुर्गों के मार्गदर्शन से लाभ मिलेगा. मातृपक्ष से शुभ समाचार मिलेगा. कार्यो मे सफ्लता मिलेगी. संयम से काम लें.

SUDOKU 7093

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7092

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1